

किये हुए तत्त्व या सिद्धांत 3. सिद्धांत, प्रथा आदि के रूप में मानने योग्य कोई तत्त्व, तथ्य या बात 4. किसी बड़ी संस्था द्वारा किसी दूसरी छोटी संस्था के संबंध में यह मान लिया जाना कि वह प्रामाणिक है और उसके किये हुए कार्य ठीक समझे जायेंगे 5. वह अवस्था जिसमें उक्त प्रकार की बातें मान ली जाती हैं और उसके अनुसार छोटी संस्था को बड़ी संस्था के अंग के रूप में काम करने का अधिकार मिल जाता है।

माप स्त्री. (देश.) 1. मापने या नापने की क्रिया या भाव, नाप 2. मापने या तौलने पर ज्ञात होने वाला परिमाण, मात्रा या मान 3. वह मान जिससे कोई पदार्थ मापा जाय, मान।

मापक वि. (तत्.) माप करने या नापने वाला पुं. 1. वह जो मापने या नापने का काम करता हो 2. वह जो तौलने का काम करता हो 3. वह पात्र जिसमें भरकर कोई चीज नापी-जोखी जाती हो 4. वह यंत्र जिसके द्वारा किसी प्रवाहित होने वाले तत्त्व या पदार्थ की मात्रा, मान, वेग आदि की नाप होती हो जैसे- विद्युत-मापक।

माप-तौल स्त्री. (देश.) 1. मापने, तौलने आदि की क्रिया या भाव 2. अच्छी तरह जाँच या परखकर किसी चीज का महत्व, मान, मूल्य आदि जानने या निर्धारित करने की क्रिया या भाव।

मापना पुं. (तद्.) 1. किसी पदार्थ के विस्तार, आयात, या वर्गत्व और घनत्व का किसी नियत मान के आधार पर परिमाण जानना या जानने के लिए कोई क्रिया करना, नापना 2. किसी मान या पैमाने में भरकर द्रव्य, चूर्ण या अन्नादि पदार्थों को नापना।

मापनी स्त्री. (तद्.) मापने अर्थात् नापने-जोखने, तौलने आदि की क्रिया या भाव।

मापांक पुं. (तत्.) आज-कल भौतिक विज्ञान में, वह परिमाण या मान जो किसी अमूर्त परिणाम, प्रभाव या शक्ति की किसी निश्चित इकाई या माप के आधार पर जाना या स्थिर किया जाता है।

माफ वि. (अर.) जिसे क्षमा किया गया हो या माफी दी गई हो।

माफकत स्त्री. (अर.) 1. अनुकूलता 2. मेल, मैत्री।

माफिक वि. (तत्.) 1. अनुकूल, अनुसार 2. उपयुक्त।

माफी स्त्री. (अर.) 1. माफ करने की क्रिया या भाव, क्षमा 2. ऐसी भूमि जिसका कर लेना जमींदार, राजा या सरकार ने छोड़ दिया या माफ कर दिया हो।

माफीदार पुं. (अर.+फा.) वह जिसे ऐसी जमीन मिली हो जिसका कर शासन ने माफ कर दिया हो।

माम पुं. (तद्.) 1. ममता, ममत्व 2. अहंकार 3. अधिकार 4. बल, शक्ति।

मामता स्त्री. (तद्.) 1. आत्मीयता, अपनापन 2. आत्मीयता के कारण होने वाला प्रेम या स्नेह, ममता, ममत्व जैसे- माँ की मामता बच्चे पर होती है।

मामरी स्त्री. (देश.) एक प्रकार का पेड़ जो हिमालय की तराई में रावी नदी से पूर्व की ओर मद्रास ओर तथा मध्यभारत में होता है, रूही।

मामलत, मामलति स्त्री. (अर.) 1. बात, मामला 2. विवादास्पद बात या विषय जो विचार के लिए उपस्थित हो।

मामला पुं. (अर.) 1. आपस में मिलकर तय या निश्चित की हुई कोई ऐसी बात जिस पर अमल करना पड़े या जिसे कार्य रूप में परिणत करना हो 2. आपस में होने वाले काम, व्यवहार या व्यापार 3. उलझन या झगड़े का कोई ऐसा काम या बात जिसके संबंध में किसी प्रकार का आचरण, विचार या व्यवहार होने को हो या होना आवश्यक हो, प्रधान अथवा मुख्य बात या विषय प्रयो. आज-कल उनके सामने एक बहुत बड़ा मामला आ गया है 4. आपस में पक्की या तय की हुई बात, निर्णीत और निश्चय किया हुआ तथ्य 5. ऐसी विवादास्पद बात जिसके संबंध में न्यायालय में विचार हो रहा हो या होने